

राष्ट्रदूत

epaper.rashtrdoot.com

जालोर
Rashtrdoot

फोन:- 226422, 226423 फैक्स:- 02973-226424

वर्ष: 16

संख्या: 235

प्रभात

जालोर, गुरुवार 2 दिसम्बर, 2021

पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2019-21

पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.



नवम्बर की एक सुबह 20,000 से ज्यादा वैस्टर्न मोनार्क तितलियां युक्लिपटस की एक शाखा पर बैठी हुई थीं, ऐसा लग रहा था किसी ने वृक्ष को नारंगी रंग की लेंस से सजा दिया है। हर साल इस प्रजाति की तितलियां की 30 प्रतिशत आबादी कैलिफोर्निया के पिस्मो बीच पर देखी जाती है। ये तितलियां मीलों लम्बा सफर तय करके यहां सदियों बिताने आती हैं। मात्र एक साल पहले ये खूबसूरत तितलियां मानो गायब ही हो गई थीं। गत वर्ष पिस्मो बीच पर दो सौ से कम तितलियां ही आईं, जो अब तक की सबसे कम संख्या है। समूचे कैलिफोर्निया तट पर 2000 से कम तितलियां गिनी गईं। लेकिन इस वर्ष वार्षिक गणना शुरू होने से पहले ऐसा लग रहा है कि, कैलिफोर्निया के तट पर इनकी संख्या में भारी वृद्धि देखाई देगी। तितलियों की संख्या हालांकि बढ़ी है, पर शोधकर्ताओं का मत है कि संख्या बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि, यह प्रजाति सुरक्षित है, अभी भी इनकी आबादी सामान्य से कम है। जरसीज सोसायटी एक संघ है जो परागणकर्ता कीटों और अन्य कीटों के संरक्षण के लिए काम करता है। इसकी कंजर्वेशन जीववैज्ञानिक एमा पैल्टन ने कहा कि "एक समय था जब कैलिफोर्निया के तट पर 40 लाख से एक करोड़ तक तितलियां आती थीं। नब्बे के दशक तक इनकी आबादी घट-घटते मात्र दस लाख रह गई और आगामी दशकों में तो आबादी मात्र 2 लाख रह गई। सन् 2017 की वार्षिक गणना में तो मात्र 30,000 तितलियां ही आईं। पैल्टन ने कहा कि मोनार्क जुझारु हैं और अनुकूलन करने में सक्षम हैं पर उनके सामने लगातार चुनौतियां आ रही हैं। इस वर्ष थोड़ी ही सही, पर आबादी बढ़ी है इसमें अच्छी बात यह है कि अभी देर नहीं हुई है। इन तितलियों को तेज गर्मी, जंगल की आग और सूखे के साथ-साथ कैलिफोर्निया में तेज बर्फीले तूफानों का भी सामना करना पड़ा है। कुछ तूफान तो इतने तेज थे कि पेड़ उखड़ गए और तितलियां जमीन पर गिर गईं। लंबे समय तक इस प्रजाति का अध्ययन करने वाले, वॉशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के डेविड जेम्स का कहना है कि स्थानीय लोग, मिल्कवीड जैसे पौधे, जो इन तितलियों को प्रिय हैं, उगाकर और कीटनाशकों का इस्तेमाल कम करके इन तितलियों की मदद कर सकते हैं।

जयपुर के ज्वैलर ग्रुप के 50 ठिकानों पर इन्कम टैक्स के छापे

पांच सौ करोड़ रुपये की अघोषित आय के सबूत मिले?

-जाल खंभाता-**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। आयकर विभाग ने जूलरी और रंगीन रत्नों का निर्माण एवं निर्यात करने वाले जयपुर के एक ग्रुप पर हफ्ते भर तक छापेमारी कर 500 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित आय का पता लगाया है। ग्रुप के जयपुर एवं आसपास स्थित 50 से अधिक परिसरों में जांच पड़ताल की गई।

ग्रुप के स्वामियों ने 72 करोड़ रुपये की अघोषित आय स्वीकार की है। इस जल्ती में 9 करोड़ के आभूषण और 4 करोड़ की नकदी शामिल है। यह ग्रुप सैमी प्रैशस और प्रैशस रत्नों की रफ अफ्रीकी देशों से आयात कर उन्हें जयपुर में तैयार करवाता रहा है। कट व पॉलिशड

स्टोस से अर्जित आय को छिपाया

गया और इसके कुछ हिस्से को खाता

इस बेहिसाब आय का उपयोग

■ यह ग्रुप अफ्रीकी देशों से सैमी प्रैशस व प्रैशस माल मंगाता था, तथा जयपुर में "प्रोसेसिंग" कराकर विदेश को निर्यात किया करता था।

■ आयकर विभाग का मानना है कि, प्रोसेसड माल, बिना बिल के, नकद रकम लेकर बेचा जाता था। इस अघोषित बिक्री से हुई आय को यह ग्रुप ब्याज पर लगा देता था, नम्बर दो के मार्केट में।

■ ग्रुप ने 72 करोड़ रुपये की अघोषित आय होने की बात तो कबूल कर ली है, तथा छापे के दौरान आयकर विभाग को नौ करोड़ रुपये की ज्वैलरी व 4 करोड़ रुपये नकद भी मिला।

बहियों में दर्ज किए बिना नकद

बेचकर बेहिसाब आय अर्जित की

एक फायनेंस ब्रोकर के जरिए नकद

ऋण उपलब्ध करवाकर

कमाने में किया गया। जांच टीम ने नकद ऋणों और अर्जित ब्याज के डिजीटल और दस्तावेजी साक्ष्य बरामद किए। ब्रोकर ने इस तरह के लेन देन होना स्वीकार किया है।

बेहिसाब ऋण एवं विक्रय स्टॉक में अनवर, अवास्तविक असुरक्षित ऋण और शेयर एल्टीकेशन मनी संबंधी आपतिजनक साक्ष्य भी पाए गए हैं।

इसके अलावा ग्रुप की स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एस.ई.जैड) में संचालित इकाइयों के भी दस्तावेज मिले हैं जिनसे संकेत मिलता है कि ग्रुप इन इकाइयों से ऊंचे लाभ की घोषणा कर अनुचित कार्यों में लगा था, क्योंकि इन इकाइयों से प्राप्त आय, आयकर अधिनियम के अन्तर्गत कर मुक्त है।

कंगना रनौत की टिप्पणियाँ सेंसर हों?

-जाल खंभाता-**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। एक वकील ने सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करके, अदालत से अनुरोध किया है कि वह बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत द्वारा भविष्य में की जाने वाली सभी सोशल मीडिया पोस्टों को सेंसर किये जाने के निर्देश जारी करे ताकि भारत में कानून-व्यवस्था सम्बंधी समस्याएँ रोकी जा सकें।

एडवोकेट सरदार चरणजीत सिंह चन्द्रपाल ने कंगना के इन्स्टाग्राम की पोस्ट का हवाला दिया है कि "सिख किसान जो खालिस्तानी आतंकवादी है, उन्होंने 1984 के सिखों के नरसंहार को सही ठहराया है इस टिप्पणी को एक तरह से यह दावा किया गया है कि सिखों को अवांछित मच्छरों की तरह निम्न जाति के रूप माना जाना चाहिए तथा उन्हें इंदिरा गांधी जैसे गुरु की जरूरत है।"

उन्होंने कहा कि ऐसे बयान बिभिन्न धर्मों में नस्ल के आधार पर भेदभाव और नफरत पैदा करते हैं। इससे सोशल मीडिया पर

■ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि, कंगना रनौत की सोशल मीडिया पर डाली गयी टिप्पणियाँ, बहुत आपत्तिजनक, भड़काऊ होती हैं, अतः उन पर सेंसर लागू होना चाहिए, नहीं तो, देश में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है।

भड़काने वाली, उत्तेजना पूर्ण बहस छिड़ सकती है, यहाँ तक कि दंगे भी हो सकते हैं। याचिका कहती है कि, ये टिप्पणियाँ ना केवल घृणा फैलाने वाली एवं ईशान्दिता के बराबर है बल्कि इनका इरादा साम्प्रदायिक फसाद करवाने, धार्मिक भावनाओं को आहत करने का है, ये बेहद अपमानजनक है तथा सिखों को राष्ट्रविरोधी रूप में दर्शाती है। यह निर्दोष सिखों की हत्या को उचित ठहराती है। ये टिप्पणियाँ हमारे देश की एकता के एकदम खिलाफ हैं और अभिनेत्रों को इसके लिए कानून के अनुसार गंभीर दंड दिया जाना चाहिए। इन्हें दारिदार नहीं किया जा सकता है।

क्या ऑमक्रॉन से प्रेरित होकर यात्राओं/फ्लाइट्स पर प्रतिबंध लगाना उचित है?

यात्राओं पर प्रतिबंध लगाने से कोई खास लाभ नहीं है, बल्कि कई देश इस वायरस के बारे में सही जानकारी शेयर करने से कतरायेंगे, और इस वायरस के बारे में रिसर्च करने में अनावश्यक विलम्ब होगा

-सुकुमार साह-**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। ऑमक्रॉन का प्रकोप और फैलाव एक उम्मीद के मुताबित प्रतिक्रिया सामने लाया है क्योंकि विश्वभर के देशों में यात्रा पर पूर्ण प्रतिबन्ध लागू करने की होड़ मची हुई है। वास्तव में जबसे वायरस के नए स्ट्रेन का पिछले हफ्ते दक्षिण अफ्रीका से पता चला, विश्व के दर्जनों देशों ने इसकी प्रतिक्रिया यात्रा प्रतिबंधों के रूप में दी है, जिनमें अधिकांशतः दक्षिण अफ्रीका देशों को निशाना बनाया गया है।

लेकिन कोविड-19 वायरस के नए स्ट्रेन के प्रति क्या ऐसी अविचारित प्रतिक्रिया न्यायोचित है, यह वह प्रश्न है जिस पर देशों की सरकारों को जरूर विचार करना चाहिए क्योंकि नए स्ट्रेन के अभी शुरूआती दिन ही हैं और इसको लेकर प्रमाणिक रूप से कुछ भी सिद्ध नहीं किया गया है कि नया वायरस आखिरकार लोगों को किस तरीके से प्रभावित करेगा।

इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने यह चेतावनी देते हुए कहा कि जो देशों की बात भी जांच में है जो एक ऐसे वैरियंट के प्रति अपने नागरिकों को सुरक्षित रखना चाहते हैं, जिसके बारे में हम अब तक पूर्ण रूप से समझ नहीं पाए हैं लेकिन उन्होंने तर्क प्रस्तुत किया है कि प्रतिक्रिया का उचित अर्थ यथानुपात उपाय करने का अनुरोध करते हुए मांग की कि वैश्विक प्रतिक्रिया "शांत, समन्वित और इकाई ने यदि कुछ चेतावनी दी है तो वह यह कि

पूर्ण यात्रा प्रतिबंधों से कुछ अच्छा होने के बजाए

नुकसान का जोखिम अधिक है।

डब्ल्यू.एच.ओ. ने एक यात्रा परामर्श में चेतावनी दी कि प्रतिबंधों की वजह से देश इस नए वायरस के डेटा शेयर करने से अन्ततः दूर रहेंगे। लेकिन उसने यह सलाह भी दी कि 60 की उम्र से अधिक के लोगों सहित वैक्सीन नहीं लगवा चुके लोग, जिन्हें कोविड-19 होने का जोखिम है, को वायरस के जन संक्रमित क्षेत्रों की यात्रा से

■ यह सच नहीं है कि, दक्षिण अफ्रीका से आये लोगों के माध्यम से ही यह वायरस फैलता है, क्योंकि उदाहरण के लिये, हालैण्ड में ऑमक्रॉन से संक्रमित मरीज मौजूद थे, द. अफ्रीका से पहली फ्लाइट आने के पहले से।

परहेज करना चाहिए।

डब्ल्यू.एच.ओ. प्रमुख टेड्रो एडानोम घेब्रेयस ने कहा कि उन देशों की बात भी जांच में है जो एक ऐसे वैरियंट के प्रति अपने नागरिकों को सुरक्षित रखना चाहते हैं, जिसके बारे में हम अब तक पूर्ण रूप से समझ नहीं पाए हैं लेकिन उन्होंने तर्क प्रस्तुत किया है कि प्रतिक्रिया का उचित अर्थ यथानुपात उपाय करने का अनुरोध करते हुए मांग की कि वैश्विक प्रतिक्रिया "शांत, समन्वित और इकाई ने यदि कुछ चेतावनी दी है तो वह यह कि

निरर्थकता तब रेखांकित हुई जब नीदरलैंड्स की सरकार ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने 25 नवम्बर को ऑमक्रॉन के पहले केस की पुष्टि की थी, लेकिन उनके देश में यह वैरियंट उससे पहले मौजूद था।

डच हेल्थ अथॉरिटीज़ ने मंगलवार को कहा कि इस वायरस को साथ लायीं दो फ्लाइट्स के आने से पहले नीदरलैंड्स में ऑमक्रॉन उससे पहले से था। नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ हेल्थ (आर.आई.वी.एम.) ने कहा कि 19 और

23 नवम्बर को लिए गए दो टेस्ट सैम्पल्स में हमें ऑमक्रॉन कोरोना वायरस वैरिएंट का पता चला। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इन लोगों ने दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की थी? इथर स्वदेश में बहस इस बात को लेकर चल रही है कि ऑमक्रॉन वैरिएंट के प्रति कोविशील्ड फिक्शन को कारगर है। सीरम इन्स्टिट्यूट ऑफ इण्डिया के सी.ई.ओ. अदार पूनावाला के अनुसार ऑमक्रॉन के विरुद्ध कोविशील्ड की प्रभावोत्पादकता का पता अगले दो-तीन हफ्तों में

चल जाएगा। पूनावाला ने एन.डी.टी.वी. को बताया कि फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता कि क्या ऑमक्रॉन अधिक खतरनाक है अथवा नहीं। फिर भी ऑमक्रॉन का ख्याल रखते हुए एक ब्यूस्टर डोज संभव है।

पूनावाला की टिप्पणी "द लांसेट" के एक अध्ययन के बाद सामने आई, जिसमें कहा गया था कि कोविशील्ड डेल्टा वैरिएंट के दौरान भी वायरस का मुकाबला करने में कोविशील्ड काफी कारगर रही थी और इसने मरने व अस्पताल में भीर्ती होने का जोखिम महत्वपूर्ण रूप से कम किया था। उन्होंने कहा कि ऑमक्रॉन के प्रति कोविशील्ड के प्रभावी होने को लेकर अध्ययन भी चल रहे हैं तथा हमें इसके लिए कुछ हफ्तों की प्रतीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑक्सफोर्ड के वैज्ञानिक अनुसंधान में लगे हैं और उनके निष्कर्षों के आधार पर हम एक ऐसी नई वैक्सीन बना सकते हैं, जिसे आगामी छह हफ्तों में ब्यूस्टर डोज के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। तथापि, ऑमक्रॉन वैरिएंट के बारे में अभी काफी कुछ ज्ञात नहीं है, इसलिए वह निर्धारित करने में कई सप्ताह लग सकते हैं कि इससे वैक्सीन से किस हद तक बचा जा सकता है, फिर भी इसने यह जवाब दिया है कि कोविड-19 के विरुद्ध वैश्विक अभी समाप्त नहीं हुई है।

मुआवज़ा

-जाल खंभाता-**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर वर्ष भर चले विरोध प्रदर्शनों के दौरान मरे किसानों के परिवारों को किसी प्रकार के मुआवजे के भुगतान से बुधवार को पल्ला झाड़ लिया। मुगतान को लेकर उनका कहना था कि केन्द्र

■ केन्द्रीय कृषि मंत्री तोमर ने संसद में कहा कि, किसानों के धरने के दौरान मरने वाले आंदोलनकारियों की न तो कोई अधिकृत सूची है, और न ही मृत्यु के कारणों का विवरण, अतः मुआवज़ा किस आधार पर दिया जा सकता है।

सरकार के पास उक्त किसानों की मौतों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। इन तीनों कानूनों को गत सोमवार ही निरस्त किया गया था।

तोमर, कांग्रेस के मनीष तिवारी द्वारा किसानों की मौत को लेकर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। तिवारी ने यह भी पूछा कि क्या सरकार उनके परिवारों को मुआवज़ा राशि देने की मंशा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर, 1 दिसम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस की महंगाई हटाओ रैली का आयोजन 12 दिसंबर को दिल्ली की बजाय जयपुर में होगा। दिल्ली पुलिस की ओर से दी गई रिपोर्ट के बाद उपराज्यपाल की ओर से कांग्रेस की रैली की अनुमति नहीं मिलने के बाद कांग्रेस ने दिल्ली में होने वाली महारैली को राजस्थान की राजधानी जयपुर में शिफ्ट कर दिया है। रैली की तैयारियों का जायजा लेने कांग्रेस संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल और प्रदेश प्रभारी अजय माकन 3 दिसंबर को जयपुर आएंगे। उसी दिन तय होगा कि जयपुर में यह रैली कहाँ होगी, क्योंकि

जयपुर में एक लाख से ज्यादा की भीड़ इकट्ठा होने के लिए फिलहाल नज़र में कोई स्थान नहीं है। ऐसे में विद्याधर नगर

महासचिव प्रियंका और सांसद राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। महंगाई हटाओ रैली में देश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता

■ उसी दिन तय होगा कि, जयपुर में यह रैली कहाँ होगी। क्योंकि जयपुर में एक लाख से ज्यादा की भीड़ इकट्ठा होने के लिए कोई स्थान नहीं है।

■ ऐसे में विद्याधर नगर या किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है।

जयपुर पहुंचेंगे। अतः रैली करवाने के लिए भी कांग्रेस पार्टी को जयपुर में बड़ी स्थान की आवश्यकता होगी। रैली का अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

जयपुर के विद्याधर नगर, मानसरोवर या फिर चौभू हो सकते हैं। हालांकि मानसरोवर में आवासन मंडल की ओर से पार्क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। अब प्रस्तावित स्थानों में विद्याधर नगर या फिर कोई ग्रामीण क्षेत्र हो सकता है। अभी जगह को लेकर अंतिम फैसला नहीं हुआ है, लेकिन रैली में शामिल होने के लिए देशभर से कांग्रेस के करीब 1 लाख कांग्रेस कार्यकर्ता जयपुर आ सकते हैं।

महारैली को लेकर तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। स्थान तलाश करने का काम आज से ही शुरू हो गया है और 3 (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी

का किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है। रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी